Home > इंडियंस: एक सभ्यता की यात्रा : रवींद्र त्रिपाठी

इंडियंस: एक सभ्यता की यात्रा : रवींद्र त्रिपाठी

कथाकार व यात्रा-लेखक अनिल यादव द्वारा रिलीं में अनूदित 'इंडियंस' नविल अशेग का नविल यात्रा-पुस्तक है जिसे एक सभ्यता की यात्रा कहा गया है और जो भौगोलिक स्थलों से गुजरते हुए, इसकी पर्याप्त व्याख्या करती है। रवींद्र त्रिपाठी का आलेख।

by **अनिल यादव** / October 24, 2022 / 0 Comments

प्राचीन यात्राओं का यात्री
रवींद्र त्रिपाठी

यह एक ऐसे यात्री है जो किसी विज्ञापन या प्रचुरता के लिए यात्रा करते हैं। ऐसे यात्री कुछ उत्कर्ष से दो करते हैं, किसी पुरातत्वविद की तरह, ये यात्रा के लिए यात्रा करते हैं। कोई इसे ज्ञान में बढ़ोत्री के लिए हालांकि ज्ञान में वे कुछ कुछ जोड़ते हैं और इस तरह हैं वह पुरानी धरोहरों या मानवजाति व पुरातियों की गतियों करते हैं इसकी पुख्ता पेश पुरातन पहले के बाद कम महत्वपूर्ण करते हैं कि जो, इन किसी के बारे में जो कुछ बोलते जाए थे, इसीलिए कुछ ऐसे अलग भी हैं। ऐसे यात्री कुछ नया बोलने और खुलाव भी देते हैं।

नविल अशेग ऐसे ही यात्री हैं। वह बर्लिन विश्व में इतिहास पढ़ाते थे। इसलिए यात्रा में उनकी रुचि है। वह एक ऐसे यात्री हैं जो भारतीयता या उपमहाद्वीप के बारे में इतना ही नहीं बताते हैं जो उनके बारे में पहले से मौजूद है, इसकी पर्याप्त व्याख्या करते हैं। वह कुछ नया बताते हैं। वह यात्रा का पुराना है वह पुरातनविद और भौगोलिक स्थलों के बारे में कुछ नया बताते हैं। वह अपने ही बारे में कुछ नया बताते हैं। वह यात्रा